समझाइश और कार्रवाई के बावजूद खेतों में सुलग रही पराली

प्रशासन ने दर्ज किए दर्जनों केस, दांव पर पर्यावरण और मिट्टी की सेहत

नवभारत न्यूज

गुना। भीषण गर्मी के इस दौर में गुना जिले के आसमान में धुएं का गुबार और खेतों से उठती आग की लपटें एक गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा लगातार दी जा रही समझाइश, जागरूकता अभियानों और सख्त कानूनी कार्रवाई के बावजूद किसान खेतों में फसल अवशेष (पराली) जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासन अब तक दर्जनों किसानों पर प्रकरण दर्ज कर चुका है और भारी अर्थदंड भी लगाया जा रहा है, लेकिन धरातल पर स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

ताजा मामला बमोरी ब्लॉक के ग्राम अमरोद का है, जहाँ जिला प्रशासन की टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान खेतों में पराली जलते हुए पाया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 किसानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए हैं। इन किसानों पर अब एसडीएम द्वारा भारी अर्थदंड (जुर्माना) लगाया जाएगा। इससे पहले भी प्रशासन की सख्ती देखने को मिली थी। 14 अप्रैल को जब राजस्व विभाग की टीम बमोरी ब्लॉक के ही ग्राम सामरसिंगा, ऐंदवाड़ा और परवाह में निरीक्षण पर थी, तब कई खेतों में पराली जलने की पुष्टि हुई थी। उस दौरान प्रशासन ने एक साथ 15 किसानों पर प्रकरण दर्ज कर कड़ा संदेश देने की कोशिश की थी। वहीं, 9 अप्रैल को राघौगढ़ क्षेत्र में

भी 4 किसानों पर पराली जलाने के मामले में ढाई-ढाई हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया था।

अनदेखी की भेंट चढ़ रही समझाइश

प्रशासन केवल कार्रवाई ही नहीं कर रहा, बल्कि संवाद के जरिए भी किसानों को समझाने का प्रयास कर रहा है। 3 अप्रैल को ग्राम जोहरी बरोदिया में जिला प्रशासन ने एक विशेष ग्राम चौपाल का आयोजन किया था। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य किसानों को यह समझाना था कि पराली जलाना न केवल कानूनी रूप से अपराध है, बल्कि यह स्वयं किसानों के लिए भी आत्मघाती है। हालांकि, मौजूदा हालात बताते हैं कि किसानों ने प्रशासन के इस संदेश को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है।

पराली जलाने से होने वाले घातक नुकसान

कृषि विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों के अनुसार, पराली जलाना एक ऐसी कुरीति है जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। जब खेत में आग लगाई जाती है, तो मिट्टी की ऊपरी परत में मौजूद मित्र कीट और सूक्ष्म जीवाणु जलकर मर जाते हैं। ये जीवाणु मिट्टी को उपजाऊ बनाने और खाद तैयार करने में मदद करते हैं। इनके खत्म होने से मिट्टी बंजर होने लगती है और फसल चक्र प्रभावित होता है। पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे महत्वपूर्ण तत्व नष्ट हो जाते हैं। इससे किसानों को अगली फसल के लिए अधिक रासायनिक खाद का उपयोग करना पड़ता है, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती है। वर्तमान में जिला भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। ऐसे में पराली की एक छोटी सी चिंगारी हवा के साथ मिलकर पड़ोस के खड़े खेतों या बस्तियों तक पहुँच सकती है, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। पराली के धुएं से वातावरण में कार्बन मोनो ऑक्साइड और अन्य जहरीली गैसें घुल जाती हैं। इससे सांस के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को सांस लेने में भारी तकलीफ होती है और आंखों में जलन की समस्या आम हो जाती है।

किसानों को समझने होंगे दुष्परिणाम

कुल मिलाकर, गुना जिले में पराली जलाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रशासन जहाँ एक ओर प्रकरण दर्ज कर और जुर्माने की कार्रवाई कर अपना कर्तव्य निभा रहा है, वहीं दूसरी ओर अब समय आ गया है कि किसान स्वयं अपनी जिम्मेदारी को समझें। पराली को जलाने के बजाय उसे मिट्टी में मिलाकर या खाद बनाकर उपयोग करना ही दीर्घकालिक समाधान है। यदि अब भी किसान नहीं चेते, तो आने वाले समय में जिले की कृषि भूमि अपनी पहचान खो सकती है और प्रदूषण का स्तर जानलेवा हो सकता है।

10 किसानों पर लगा जुर्माना

एक बार फिर पराली जलाने वाले किसानों पर कार्रवाई की गई है। राजस्व और कृषि विभाग के संयुक्त दल ने कार्रवाई करते हुए जिले के 10 किसानों पर 2500-2500 रुपये का अर्थदंड लगाया है। प्रशासनिक टीम को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नरवाई जलाने की सूचना मिली थी, जिस पर तत्काल संज्ञान लिया गया। चांचौड़ा क्षेत्र के ग्राम चौपनकलां में सर्वाधिक 8 मामले सामने आए। यहाँ संतोष मीना, विनीताबाई मीना, धीरज सिंह, राधेश्याम, फूलसिंह, ब्रजनारायण, रघुवीर सिंह और शहीद खां के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आरोन क्षेत्र के ग्राम नेव में खुमान सिंह बंजारा और भानसिंह को अपने खेतों में पराली जलाते हुए पाया गया। सभी 10 मामलों में संबंधित कृषकों पर ढाई-ढाई हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है।

न्याय की गुहार लगाते हुए युवक ने हनुमान चौराहे पर खुद पर डाला पेट्रोल, पुलिस और पड़ोसियों पर लगाए गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के व्यस्ततम हनुमान चौराहे पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सड़क पर लेटकर आत्मदाह की कोशिश की। न्यू सिटी कॉलोनी निवासी विजय रजक ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने की चेतावनी दी। युवक का आरोप है कि उसके भाई को झूठे केस में फंसाया गया है और पुलिस प्रशासन उसकी सुनवाई नहीं कर रहा है।

विजय रजक के अनुसार, एक पड़ोसी महिला ने उसके भाई पर छेड़छाड़ का झूठा मुकदमा दर्ज कराया है। इस कारण उसका भाई जेल में है और 27 अप्रैल को होने वाली अपनी परीक्षा भी नहीं दे सकेगा।

विजय का कहना है कि वह कोर्ट में भाई की जमानत के लिए आया था, लेकिन वहां उसके साथ मारपीट की गई, जिससे आहत होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि भाई की जमानत

याचिका एक बार खारिज हो चुकी है। पीड़ित विजय ने कैंट पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि पुलिस ने पूछताछ के नाम पर उसे बुलाया और मामले को रफा-दफा करने के लिए पैसों की मांग की। विजय का यह भी दावा है कि उसके पड़ोसी ने इसी तरह के झूठे मुकदमे मोहल्ले के कई अन्य लोगों पर भी दर्ज करवा रखे हैं, जिससे पूरी बस्ती प्रताड़ित है।

समझाइश के बाद टली अनहोनी

युवक को सड़क पर हाई-वोल्टेज ड्रामा करते देख वहां भारी भीड़ जमा हो गई। विजय अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सड़क पर लेट गया और न्याय की मांग करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस कर्मियों ने उसे समझाइश देकर शांत कराया और पेट्रोल की बोतल छीन ली, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

विजय ने मांग की है कि उसके साथ हुए अन्याय की जांच कर उचित कार्यवाही की जाए और उसके भाई को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए

सिस्टम से परेशान होकर रहवासियों ने अपने खर्च से बनवाई सड़क

नवभारत न्यूज

गुना। सरकारी सिस्टम और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के बीच वार्ड नंबर 29 स्थित गोविंद गार्डन कॉलोनी के निवासियों ने आत्मनिर्भरता का अनूठा उदाहरण पेश किया है। कॉलोनी के लोगों ने आपसी सहयोग और 100 प्रतिशत जनभागीदारी से करीब 13 लाख रुपए की लागत से 400 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया है। इस नवनिर्मित मार्ग का उद्घाटन प्रमुख समाजसेवी और विद्या भारती के प्रांत सचिव शिरोमणि दुबे के हाथों संपन्न हुआ।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए शिरोमणि दुबे ने सड़क निर्माण के संयोजक और कॉलोनी निवासी रामप्रकाश रघुवंशी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने रघुवंशी के व्यक्तित्व की तुलना ऐसे व्यक्ति से की जिसने परोपकार को अपना धर्म समझा और पूरी कॉलोनी को एक सूत्र में पिरोकर इस कठिन कार्य को संभव बनाया। कॉलोनी वासियों ने इस दौरान अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि स्थानीय पार्षद से लेकर सांसद तक सत्ताधारी दल के हैं, इसके बावजूद सड़क निर्माण के लिए किसी भी जनप्रतिनिधि की ओर से एक रुपये की मदद नहीं मिली। बार-बार गुहार लगाने के बाद भी जब प्रशासन और नेताओं ने सुध नहीं ली, तो कॉलोनी के लोगों ने खुद ही राशि जुटाकर विकास का जिम्मा उठाया। निवासियों ने इस सड़क का नाम 'रामसेतु मार्ग' रखा है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक धर्मेंद्र रघुवंशी ने किया।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से भारत माता की आरती के साथ किया गया। जन-सहयोग से बनी यह सड़क अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

400 मीटर लंबी सड़क का नाम रखा रामसेतु

गुना में 22 को जिला स्तरीय रोजगार मेला

गुना। जिले के शिक्षित और आकांक्षी युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास विभाग द्वारा 'युवा संगम' कार्यक्रम के तहत एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 22 अप्रैल 2026 को जिला पंचायत विश्राम गृह, गुना में आयोजित होगा। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक ही मंच पर रोजगार और अप्रेंटिसशिप के विकल्प उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के नोडल एवं जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने बताया कि मेला सुबह 11:00 बजे से शुरू होगा, जिसमें प्रदेश और देश की विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियां शिरकत करेंगी।

गुना-बीना और मक्सी सेक्शन में टले रेल हादसे, जांबाज रेलकर्मी सम्मानित

नवभारत न्यूज

गुना। भारतीय रेलवे के भोपाल मंडल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने हाल ही में उन 06 रेलकर्मियों को 'संरक्षा पुरस्कार' से सम्मानित किया है, जिनकी पैनी नजर और त्वरित कार्रवाई ने बड़े रेल हादसों की आशंका को जड़ से खत्म कर दिया। इस सम्मान सूची में गुना और बीना सेक्शन में तैनात कर्मचारी प्रमुखता से शामिल हैं, जिन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान अदम्य साहस और तकनीकी सूझबूझ का परिचय दिया।

इस पुरस्कार समारोह में गुना जिले से जुड़े दो प्रमुख सेक्शनों में हुई घटनाओं ने सबका ध्यान खींचा। 2 मार्च 2026 को गुना के लोको पायलट शिवचरण मीना और सहायक लोको पायलट संदीप मीना गुना-मक्सी सेक्शन में एक मालगाड़ी लेकर जा रहे थे। रास्ते में एक मोड़ (गोलाई) पर उन्होंने इंजन से पीछे की ओर देखते हुए महसूस किया कि ब्रेक बाइंडिंग की वजह से धुआं निकल रहा है। इसी तरह बीना-गुना सेक्शन के पीलीघटा स्टेशन पर तैनात उप स्टेशन प्रबंधक रमेश कश्यप ने 19 मार्च को अपनी सतर्कता की मिसाल पेश की। जब स्टेशन से हमसफर एक्सप्रेस जैसी सुपरफास्ट ट्रेन गुजर रही थी, तब उनकी नजर ट्रेन के निचले हिस्से में हो रही ब्रेक बाइंडिंग पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना संबंधित विभाग को दी और ट्रेन को सुरक्षित किया। इसी स्टेशन पर लोकेश मीना ने भी एक मालगाड़ी के एक्सल में आई तकनीकी खराबी को समय रहते पहचानकर बड़ी दुर्घटना होने से बचा ली।

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े परिवार को रौंदा

गुना। जिले में तेज रफ्तार और लापरवाही का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार सुबह एक अनियंत्रित चार पहिया वाहन ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन सदस्यों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में पति, पत्नी और उनका 6 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सोमवार सुबह करीब 8 बजकर 30 बजे की है। ग्राम खड़गपुर निवासी सुरेश किरार अपनी पत्नी रजनी किरार और 6 वर्षीय बेटे ऋषभ के साथ एक सम्मेलन से लौट रहे थे। धाननखेड़ी के पास वे सड़क किनारे रुके थे और अपने बेटे को लघु शंका करा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान पायलट ओमप्रकाश मीना की सक्रियता और सराहनीय योगदान से घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी।

शादी वाले घर में चोरों का तांडव, लाखों का माल चोरी

नवभारत न्यूज

गुना। कोतवाली थाना अंतर्गत बूढ़े बालाजी स्थित सुदामा कॉलोनी में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने उस घर को निशाना बनाया जहां शादी का जश्न चल रहा था और पूरा परिवार मैरिज गार्डन में मौजूद था।

जानकारी सामने आई है कि सुदामा कॉलोनी निवासी हेमंत भार्गव के छोटे भाई ललित की शादी 19 अप्रैल को थी। पूरा परिवार और रिश्तेदार नयापुरा स्थित एक मैरिज गार्डन में आयोजित समारोह में गए हुए थे। रात करीब ढाई बजे तक पड़ोसियों ने घर के आसपास कोई हलचल नहीं देखी, लेकिन सुबह 6 बजे जब पड़ोसी की नजर घर के टूटे हुए ताले पर पड़ी, तो हड़कंप मच गया। पड़ोसियों की सूचना पर जब हेमंत भार्गव और परिवार के सदस्य घर पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए। बदमाशों ने पूरे घर में जमकर उत्पात मचाया और अलमारियों के ताले तोड़कर सामान बिखेर दिया था। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोर घर से करीब 1 से सवा लाख रुपए नकद, 3 तोला सोना और चांदी के कीमती आभूषण सहित अन्य सामग्री ले उड़े हैं। कुल चोरी की गई संपत्ति की कीमत 8 से 10 लाख रुपए के बीच बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली टीआई ने पुलिस बल के साथ मौका मुआयना किया। जांच के दौरान पास की एक किराना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर नजर आ रहा है। पुलिस इस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

डीपीएस एनएफएल विजयपुर का सीबीएसई 10वीं में शत-प्रतिशत परिणाम

गुना। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), एनएफएल ने सत्र 2025-26 की सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में अपनी मजबूत शैक्षणिक परंपरा को बरकरार रखते हुए 100 प्रतिशत उत्तीर्ण परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष अत्यंत सराहनीय एवं शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।

विद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष वंदना धाकड़ ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनके साथ ही श्याम जोशी 90.8 प्रतिशत और उत्कर्ष पंडित 88.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में शामिल रहे। गौरतलब है कि विद्यालय का कुल औसत परिणाम 76.3 प्रतिशत दर्ज किया गया है। विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर डीपीएस प्रो.वी.सी. विनय कुमार गुप्ता ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है। विद्यालय के प्राचार्य राकेश सिंह चौधरी ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन को दिया है।

डोमावन में पटेलिया समाज के सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे कई जोड़े

बमोरी। जिले के बमोरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोमावन-डिगडोली में रविवार को पटेलिया समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवमयी समारोह में समाज के कई जोड़ों ने पूरे विधि-विधान के साथ नए जीवन की शुरूआत की। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सभी नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारजनों को उज्ज्वल, समृद्ध और मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

सामूहिक विवाह सम्मेलन न केवल फिजूलखर्ची को रोकने बल्कि समाज को एकजुट करने का एक बड़ा माध्यम बनकर उभरा। वक्ताओं ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायी आयोजनों से समाज के गरीब परिवारों को संबल मिलता है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। आयोजन समिति और जनप्रतिनिधियों के कुशल प्रबंधन की भी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि कल सिंह पटेलिया, भारतीय जनता पार्टी बमोरी के मंडल अध्यक्ष राजू धाकड़, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम सिंह पटेलिया, सरपंच संतोष पटेलिया, कालू पटेरिया, सुखराम पटेलिया और जितेंद्र पटेलिया विशेष रूप से मौजूद रहे।

समापन सुरक्षा जागरुकता के साथ हुआ समापन

सीआईएसएफ ने मनाया 'अग्निशमन सेवा सप्ताह'

नवभारत न्यूज

गुना। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एनएफएल विजयपुर की अग्निशमन शाखा द्वारा आयोजित सात दिवसीय 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' का सोमवार को गरिमामय समापन हुआ। 14 अप्रैल से शुरू हुए इस विशेष सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बल के सदस्यों, कर्मचारियों और उनके परिवारों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरूआत 14 अप्रैल को कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर की गई थी। सप्ताह के अंतिम दिन आयोजित समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनएफएल के कार्यकारी निदेशक

विनय कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआईएसएफ इकाई प्रभारी और उप कमांडेंट स्वप्निल उबाले ने की, जिन्होंने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस एक सप्ताह के दौरान अग्नि से बचाव और जागरूकता लाने के लिए कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला आयोजित की गई। इसमें स्कूली बच्चों के लिए पेंटिंग, निबंध और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही, घरेलू महिलाओं के लिए भी विशेष जागरूकता सत्र और प्रतियोगिताएं रखी गईं, ताकि घर और रसोई में होने वाली अग्नि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। समापन के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। समारोह में सहायक कमांडेंट (अग्निशमन) देबी प्रसाद चालक, इंस्पेक्टर कपिल देव, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी मरकाम, आसूचना प्रभारी कुलविंदर सिंह और सब इंस्पेक्टर गौरव यादव सहित बल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रबंधन की ओर से चीफ मैनेजर विक्रम रावत, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, यूनियन पदाधिकारी, डीपीएस एवं नवकुंज विद्या मंदिर के अध्यापक व बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

मॉक ड्रिल से दिखाया कौशल

कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन बल के सदस्यों द्वारा एक भव्य 'फायर मॉक ड्रिल' का प्रदर्शन किया गया। इसमें अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से आग पर काबू पाने और आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षा के कौशल दिखाए गए। इसके अलावा संयंत्र के कर्मचारियों को प्राथमिक अग्निशमन संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

विवाह सम्मेलन में आकर्षण बनी बग्गी पर निकली बारात

नवभारत न्यूज

गुना। मधुसूदनगढ़ नगर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सोमवार को नगर में एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। इस आयोजन में 32 जोड़ों ने नए जीवन की शुरूआत की, जिनमें 26 हिंदू जोड़ों का विवाह और 06 मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया गया।

समारोह का आकर्षण दूल्हा-दुल्हन की भव्य बारात रही। रथों पर सवार दुल्हनें और घोड़ों पर सवार दूल्हों का चल समारोह नगर के मुख्य मार्गों से निकाला गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह फूल बरसाकर और स्वागत द्वार बनाकर बारात का भव्य स्वागत किया। बारात के आयोजन स्थल पर पहुंचने के बाद समिति और अतिथियों ने बारातियों का जोरदार इस्तकबाल किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रियंका पेंची ने कन्या पूजन कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, पार्षद गण सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार और सीएमओ विशेष रूप से उपस्थित रहे। शासन के निर्देशों के तहत नव-दंपत्तियों को योजना का लाभ प्रदान किया गया। आयोजन के अंत में वर-वधू के परिजनों और रिश्तेदारों ने नगर परिषद की व्यवस्थाओं की सराहना की।